मेहनत और निरंतरता ही सफलता की कीमत है।

30 साल तक **लगातार** प्रयोगशाला में **काम** किया। **हजारों** प्रयोग किए, लेकिन **कभी नहीं रुके**

"लुई पास्चर और रेबीज की खोज"

एक छोटे फ्रांसीसी गाँव में **लुई पास्चर** नाम का एक बच्चा रहता था। लुई बहुत ही **चिंतनशील** और **मेहनती** था। जब वह बड़ा हुआ, तो वह **विज्ञान** में बहुत रुचि लेने लगा।

लुई पास्चर को **संक्रमण** और **वायरस** के बारे में बहुत जानना था। वह **रोज़ाना** प्रयोगशाला में **लगातार** काम करता था। उसकी **निरंतरता (consistency)** देखकर सभी हैरान थे।

एक दिन, गाँव में एक **दुखद घटना** घटी। एक किसान का बच्चा **संक्रमित कुत्ते** के काटने से **मर गया**। यह बीमारी **रेबीज** थी।

रेबीज एक **खतरनाक** बीमारी है जो **वायरस** के कारण होती है। यह **संक्रमित जानवर** (कुत्ता, बिल्ली, बंदर) के **काटने** या **खरोचने** से फैलती है ।

लुई पास्चर की मेहनत

लुई पास्चर ने सोचा:
"मैं **इस बीमारी** को **रोकने** का तरीका खोजूँगा।"

उसने **प्रयोगशाला** में **रोज़** काम शुरू किया। **हर दिन** वह **नए-नए** प्रयोग करता था। कई बार **प्रयोग विफल** होते, लेकिन लुई **कभी रुका नहीं**। उसकी **मेहनत** और **निरंतरता** ने उसे **सफल** बनाया।

1885 में, लुई पास्चर ने **रेबीज वैक्सीन** की **खोज** की ।

पहला इंसान – जोसेफ़ मेनर

लुई पास्चर ने अपनी वैक्सीन का **पहला परीक्षण** एक **9 साल** के बच्चे **जोसेफ़ मेनर** पर किया। जोसेफ़ को **संक्रमित कुत्ते** ने काट दिया था। लुई ने जोसेफ़ को **वैक्सीन** दी। **कई दिनों** तक वह **लगातार** वैक्सीन की **डोज़** देते रहे। जोसेफ़ **बच गया**!

यह **विश्व इतिहास** में **पहली बार** था जब **रेबीज वैक्सीन** से कोई **इंसान बचा**